

कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता

अभियान

05/05/2020

सुधना

सभी NSS रवयंसीवकों को जुचित किया
जाना है कि गृह मंगलपुर विहार क्षेत्र
जारी कोरोना बचाव गाइडलाइन का
प्रणाली पालन करने के लिए अपने
आस-पास की क्षेत्र में कोरोना संक्रमण
से बचाव के लिए जागरूकता गतिविधियों
का आयोजन कर उसका कोरोना तथा
रिपोर्ट NSS के whatsapp group में
शेयर करें।

5/05/2020

कार्यक्रम पदाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
एच० डी० जैन कॉलेज, आरा

नाटक कर लोगों को किया जागरूक



नुकङ्ग नाटक से लोगों को जागरूक करते एनएसएस स्वयंसेवक .

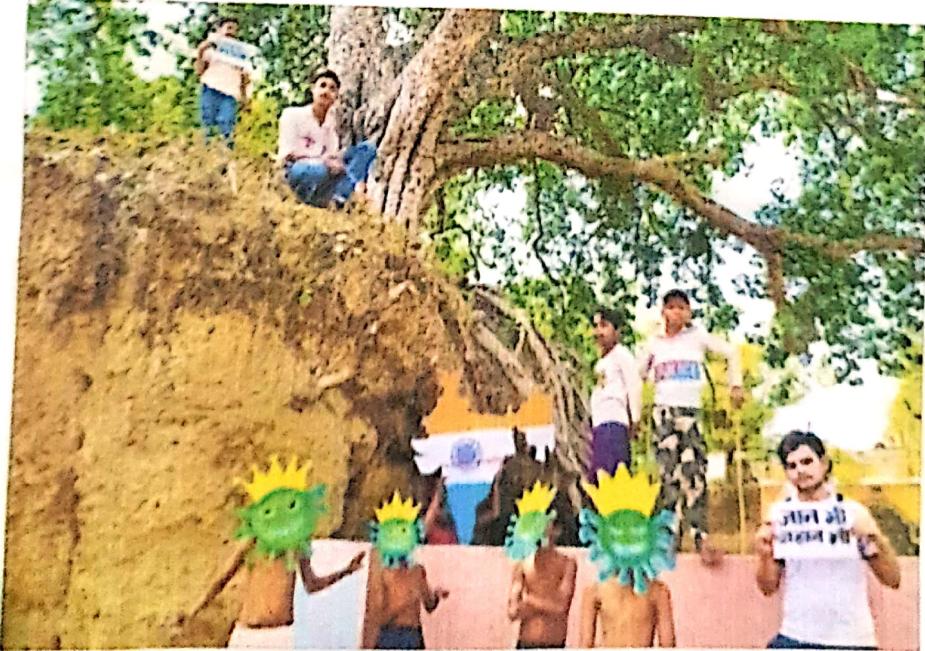
आरा. जैन कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिले के गडहनी गांव में नुकङ्ग नाटक किया। नाटक की पूरी स्क्रिप्ट तैयार करने वाला गडहनी गांव का अंकुश कुमार ने बताया कि नाटक का मुख्य उद्देश्य लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करना है। लोगों द्वारा सरकार के नियमों को जीवनशैली में उतारने पर ही भारत कोरोनामुक्त हो पायेगा। कोरोना सेवचाव के लिए डॉक्टर, पुलिस एवं सफाई कर्मी के द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। वहीं समाज के कुछ असामाजिक तत्व जान बूझकर कोरोना लाने पर उतारू हैं। राहगीरों को बताया कि कोरोना

से डरना नहीं, लड़ना है। सामाजिक दूरी बना कर रखें। साबुन से कम से कम 20 सेकंड हाथ जरूर धोएं। मास्क नहीं रहने पर गमछा, रूमाल, तौलिया या दुपट्ठा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। राहुल, बंटी, अरविंद सहित बाल मंडलियों का सराहनीय योगदान रहा। जैन कॉलेज के वरीय स्वयंसेवक सनोज कुमार का अहम योगदान था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार ओझा, एनएसएस पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार, डॉ अहमद मशुद, डॉ पूर्ति माहौर, डॉ काति सिंह, डॉ निहारिका सिंह, डॉ अरुण कुमार, डॉ अजय मिश्र, डॉ अजित सिन्हा, रुचि प्रिया ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी हैं।



6 मई 2020

नाटक कर लोगों को किया जागरूक



नुकङ्ग नाटक से लोगों को जागरूक करते एनएसएस स्वयंसेवक.

आरा. जैन कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिले के गढ़हनी गांव में नुकङ्ग नाटक किया। गढ़हनी गांव की जनसंख्या तीन हजार करने वाला गढ़हनी गांव

से डरना नहीं, लड़ना है। सामाजिक दूरी बना कर रखें। साबुन से कम से कम 20 सेकंड हाथ जल्लर धोएं। मास्क नहीं रहने पर गमद्या, रूमाल, तौलिया या टपड़ा का भी डर्सेमाल कर भक्ते हैं। गहल घंटी

NSS के
स्वयंसेवकों
द्वारा नुकङ्ग
नाटक किया
गया।
←